विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे 9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, गुरूवार 14 से 20 नवंबर 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 21 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

प्रभु द्वारा सब कुछ देने के बाद भी जो लोग असंतुष्ट रहते हैं, उन्हें इस जीवन में कभी सुख नहीं मिलता है. लेकिन मेहनत तथा प्रभु कृपा से प्राप्त को पर्याप्त मानने वाले सदैव प्रसन्न रहते हैं. हमें सदैव प्राप्त है वही हमारे लिए पर्याप्त का भाव रखना चाहिए, कभी नाराज नहीं होंगे.

पेज नंबर 2
विधानसभा चुनाव की स्थिति है अभी भी अस्पष्ट

पेज नं.2
विकास के साथ सामाजिक उपक्रम में अग्रणी धौरहरा के ग्राम प्रधान इंद्रभुषण मिश्रा अंजुल

पेज नं.3
धामणगांव रेलवे में प्रताप अडसड का पलटा है भारी, सभा,पदयात्रा में उमड़ रही है भारी भीड़

पेज नं. 6
सभी के लिए सदैव काम करते रहे हैं विधायक राणा, जाति,धर्म नहीं बल्कि मानवसेवी विधायक

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

विधानसभा चुनाव नतीजा स्पष्ट

विदर्भ में सफल पार्टी की ही राज्य में हो सकती है सरकार

बागियों की बढ़ी संख्या ने किया परेशान, कौन किसके साथ पता ही नहीं चल रहा है,मतदाता संभ्रमित

विदर्भ स्वाभिमान,13 नवंबर

मुंबई- उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र देश का केन्द्रीय सत्ता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला दूसरा राज्य है. लोकसभा में उत्तर प्रदेश के बाद जहां सबसे अधिक सीटों के मामले में यह महत्वपूर्ण माना जाता है, वहीं दूसरी ओर राज्य विधानसभा चुनाव केन्द्र के लिहाज से भी काफी मायने रखता है. यही कारण है कि राज्य विधानसभा के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ही अमित शाह, नितिन गड़करी सहित दिग्गज नेताओं द्वारा लगातार सभाएं ली जा रही हैं.

राज्य के इतिहास में यह पहला चुनाव है, जिसमें मतदाता स्वयं ही संभ्रमित हैं. स्थिति यह है कि कौन किसके पार्टी के संस्थापक का उपयोग पोस्टर और बैनर में कर रहा है,यह मतदाताओं की समझ में नहीं आ रहा है. मतदाता अभी तक संभ्रमित है. लोकसभा चुनाव में निभाए गए गठबंधन धर्म का पता नहीं चल रहा है. इससे राज्य में किसी गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने की संभावना कम है. बागियों और निर्दलीयों की संख्या बढ़ सकती है. चुनाव में विदर्भ में जिस पार्टी की सीटें अधिक होंगी, राज्य मेंसरकार भी उसी पार्टी की रहने की संभावना जताई जा रही है. विधानसभा चुनाव का चित्र फिलहाल तो अस्पष्ट ही है. लेकिन बहुमत की संभावना कम ही है.राज्य में बागियों तक में अंदर से कौन किसके साथ है, इसका पता नहीं चल रहा है. सबकी अपनी डफली, अपनी ताल वाली स्थिति ने मतदाताओं को भी संभ्रम में डाला है. नतीजा चौकाने वाला रहने की संभावना है. **शेष पेज 2 पर**

क्या अमरावती में होगी लोकसभा की पुनरावृत्ति

गठबंधन धर्म का सही पालन करने में भी कोताही,बागी हैं संकट

विदर्भ स्वाभिमान,13 नवंबर

अमरावती- राज्य विधानसभा चुनाव की गहमागहमी के साथ ही कार्यकर्ताओं में जारी चर्चाओं के मुताबिक जिस तरह की स्थिति लोकसभा चुनाव के दौरान थी, उस तरह की स्थिति दोनों ही गठबंधनों महायुति और महाविकास आघाड़ी में नहीं दिखाई दे रही है. राजनीति में नैतिकता के पतन के बीच खुलेआम चर्चा की जा रही है कि राजनीति में सभी में नीति छोड़कर सब कुछ है. जो लोग कल तक एक-दूसरे को गालियां देते थे, एक दूसरे पर धर्मनिरपेक्षता के लिए खतरा होने का आरोप लगाते थे, ऐसे ही लोग कुर्सी के लिए महागठबंधन में एक-दूसरे के साथी बने हैं. ऐसे में अमरावती जिले की 8 सीटों के नतीजे चौकाने वाले रहने की संभावना जताई जा रही है.

बडनेरा में जहां प्रीति बंड और रवि राणा के बीच सीधे भिड़ंत वाली स्थिति है, वहीं अमरावती में भाजपा के बागी जगदीश गुप्ता, महायुति की सुलभा खोड़के तथा विकास का इतिहास रचने वाले पूर्व पालकमंत्री डॉ. सुनील देशमुख के बीच कड़ी टक्कर के आसार हैं.तिवसा तथा अचलपुर में वर्तमान विधायक सिकंदर साबित होने की राह पर अभी से दिखाई दे रहे हैं. बाकी सीटों पर संभ्रम वाली स्थिति है.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

राज्य विधानसभा चुनाव की अस्पष्ट है स्थिति

विधानसभा चुनाव में पहली बार दो शिवसेना और दो राकांपा मैदान में उतरी है. राज्य विधानसभा चुनाव को अब प्रचार के लिए केवल ४ दिन बचे हैं, १८ नवंबर को चुनाव प्रचार शाम ५.३० बजे के करीब समाप्त हो जाएगा. मंगलवार कत्ल की रात होगी और सभी प्रत्याशी पूरा दमखम ठों केंगे. राज्य के साथ ही विदर्भ और अमरावती में चुनावी नतीजे को लेकर उत्सुकता सभी में है लेकिन इस बार का चुनाव इस कदर संभ्रम वाला है कि बड़े-बड़े राजनीतिक पंडित भी अनुमान नहीं लगा पा रहे हैं कि चुनाव में महायुति या महाविकास आघाड़ी किसका पलड़ा भारी होगा.

इस चुनाव में बागियों के साथ ही निर्दलीय बड़ी संख्या में चुनाव में उतरे हैं. प्रचार सभाओं में अलग और भीतर कुछ अलग वाली स्थिति ने मतदाताओं को भी संभ्रमित कर दिया है. दोनों गठबंधनों में भी ईमानदारी वाली स्थिति नहीं है. ऐसे में लोकसभा चुनाव जैसी स्थिति नहीं होने की संभावना जताई जा रही है. कांग्रेस की स्थिति तो पहले ही फटेहाल जैसी है. पार्टी के नेताओं मेंगुटबाजी के कारण ही सत्ता से दूर होना पड़ा था. राज्य में मुस्लिम समाज के प्रबद्धों की विचार धारा बदल रही है. इसका लाभ भाजपा केबागियों के साथ ही अन्यों को मिल सकता है. चुनाव को लेकर यद्यपि सभी दल चुनाव में ताकत झोंक रहे हैं लेकिन दलों के साथ नेताओं से भी लोगों का मोहभंग होने वाली स्थिति है.

राज्य में राजनीतिक रूप से उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र को देखा जाता है. कई मामले में इस राज्य ने देश में दिशादर्शक का काम किया है. ऐसे में विधानसभा चुनाव में देश केसाथ पूरे विश्व का ध्यान भी लगा है. अमरावती की आठ सीटों के नतीजे भी चौकाने वाले रहने वाले हैं. अमरावती में जगदीश गुप्ता, बडनेरा में प्रीति बंड के साथ दर्यापुर में रमेश बुंदिले, मेलघाट में राजकुमार पटेल, तिवसा में एड. यशोमति ठाकुर, अचलपुर में बच्चू कडू, मोर्शी में देवेन्द्र भयार के साथ ही अन्यों द्वारा जोर लगाया जा रहा है. इसमें तिवसा, अचलपुर पर पूरा भरोसा है.इस राज्य में कुल ४८ लोकसभा सीटें हैं. अब बात पार्टियों की करे तो बीजेपी, शिवसेना शिंदे और एनसीपी अजीत पवार का मुकाबला शिवसेना यूबीटी, कांग्रेस और एनसीपी शरद पवार के गठबंधन से है. महाराष्ट्र लोकसभा चुनाव के नतीजे भी चौकाने वाले रहे. यहां महायुति की तुलना में महाविकास आघाड़ ने दबदबा बढ़ाया था. ऐसे में राज्य विधानसभा चुनाव में यह अपनी स्थिति कायम रख पाती है या नहीं, इसका पता २३ को विधानसभा चुनाव की मतगणना के बाद चलेगा.विधानसभा के चुनाव को लेकर विदर्भ पर सभी की नजरें गड़ी हैं. लेकिन भाजपा के साथ ही कांग्रेस और अन्य दल जोर लगा रहे हैं. विभाजन के कारण शिवसेना और राकांपा की ताकत आधी-आधी हुई है जबकि भाजपा में बगावत ने नींद हराम की है. फिलहाल तो संभ्रम है. चुनाव प्रचार में सभी प्रत्याशी जमकर पसीना बहा रहे हैं, मतदाता किसे तारता है इसका पता २३ नवंबर को चलेगा.

धौरहरा के आदर्श ग्राम प्रधान

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

कहते हैं कि योग्य व्यक्ति कहीं भी क्यों नहीं रहे, वह अपना स्थान निश्चित तौर पर लोगों के दिलों में बनाता है. महाराष्ट्र में जिस गांव के सरपंच समझदार, उच्च शिक्षित होते हैं, उस गांव का विकास तेजी से होता है. उत्तर प्रदेश में गांव के सरपंच को प्रधान कहा जाता है. जिन गांवों में युवाओं के हाथ में डोर है, अच्छा विजन है, वह गांव विकास में तेजी से आगे हैं. तहसील पट्टी के अंतर्गत आने वाले दलापांडे का धौरहरा-तिवारी पट्टी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने वाले ग्राम प्रधान प्रतिनिधि इंद्रभूषण मिश्रा उर्फ अंशुल ने इस बात को साबित किया है. ग्राम विकास में अग्रणी गांव की सरपंच विभा मिश्रा के प्रयासों से गांव विकास में अग्रणी हैं.रास्ते, समुचित विकास के साथ ही अन्य व्यवस्था का उदाहरण दिया जाता है. उनके माता-पिता जहां उच्च अधिकारी हैं, वहीं करोड़ों कमाने की योग्यता रहने के बाद केवल अपने गांव के विकास के लिए अच्छे पैकेज वाली नौकरी के बाद भी केवल ग्राम विकास के लिए वे समर्पित रूप से गांव के विकास में प्रयासरत हैं. युवा

अंशुल मिश्रा जहां स्वयं विकास का विजन रखते हैं, वहीं दूसरी ओर पूरे गांव में उन्हें सम्मान के साथ ही छात्र मार्गदर्शन करने से लेकर सभी को साथ लेकर चलने वाले ग्राम प्रधान मानते हैं. वे कहते हैं कि आज गांव और शहर के बीच का फर्क खत्म हो रहा है. कई बार तो जो सुविधाएं शहर में नहीं मिल पाती हैं, वह गांवों में उपलब्ध हो गई हैं.

पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में गांव जाने के बाद गांव का विकास देखकर सवाल पैदा हुआ कि काश भारत के हर सरपंच या प्रधान अंशुल मिश्रा का अनुकरण करते हैं. सुबह 6 बजे से ही गांव में घूमने और लोगों से मुलाकात करने के साथ ही ग्राम सचिव के साथ मिलकर गांव के विकास के लिए लगातार प्रयासरत रहते हैं. ग्राम देवता कुबेरनाथ महादेव मंदिर क्षेत्र के विकास के साथ ही उनके स्वभाव की सादगी से अंदाजा लगाना मुश्किल रहता है कि उच्च शिक्षित होने के बाद भी गांव के विकास की लगन के लिए घंटों प्रयासरत रहते हैं. वे कहते हैं कि सभी गांववासियों द्वारा जो विश्वास उनमें दर्शाया गया है, उस विश्वास को सार्थक करने और विकास के मामले में गांव को आगे ले जाने का प्रयास वे करते हैं. आसपुर देवसरा मार्ग पर स्थिति उनका निवासस्थान भी जनसेवा का केन्द्र बनता है. हमारी उन्हें शुभकामनाएं.

विधानसभा चुनाव की गर्माहट

पहले पन्ने से जारी- राज्य विधानसभा चुनाव में पहली बार दो शिवसेना और दो राकांपा मैदान में उतरी है. कांग्रेस की स्थिति तो पहले ही फटेहाल जैसी है. पार्टी के नेताओं में गुटबाजी के कारण ही सत्ता से दूर होना पड़ा था. राज्य में मुस्लिम समाज के प्रबुद्धों की विचार धारा बदल रही है. इसका लाभ भाजपा के बागियों के साथ ही अन्यों को मिल सकता है. चुनाव को लेकर यद्यपि सभी दल चुनाव में ताकत झोंक रहे हैं लेकिन दलों के साथ नेताओं से भी लोगों का मोहभंग होने वाली स्थिति है.

राज्य में राजनीतिक रूप से उत्तर प्रदेश के बाद महाराष्ट्र को देखा जाता है. कई मामले में इस राज्य ने देश में दिशादर्शक का काम किया है. ऐसे में विधानसभा चुनाव में देश के साथ पूरे विश्व का ध्यान भी लगा है. अमरावती की आठ सीटों के नतीजे भी चौकाने वाले रहने वाले हैं. अमरावती में जगदीश गुप्ता, बडनेरा में प्रीति बंड के साथ दर्यापुर में रमेश बुंदिले, मेलघाट में राजकुमार पटेल, तिवसा में एड. यशोमति ठाकुर, अचलपुर में बच्चू कडू, मोर्शी में देवेन्द्र भुयार के साथ ही अन्यों द्वारा जोर लगाया जा रहा है. इसमें तिवसा, अचलपुर पर पूरा भरोसा है.इस राज्य में कुल 48 लोकसभा सीटें हैं. अब बात पार्टियों की करे तो बीजेपी, शिवसेना शिंदे और एनसीपी अजीत पवार का मुकाबला शिवसेना यूबीटी, कांग्रेस और एनसीपी शरद पवार के गठबंधन से है. महाराष्ट्र लोकसभा चुनाव के नतीजे भी चौकाने वाले रहे. यहां महायुति की तुलना में महाविकास

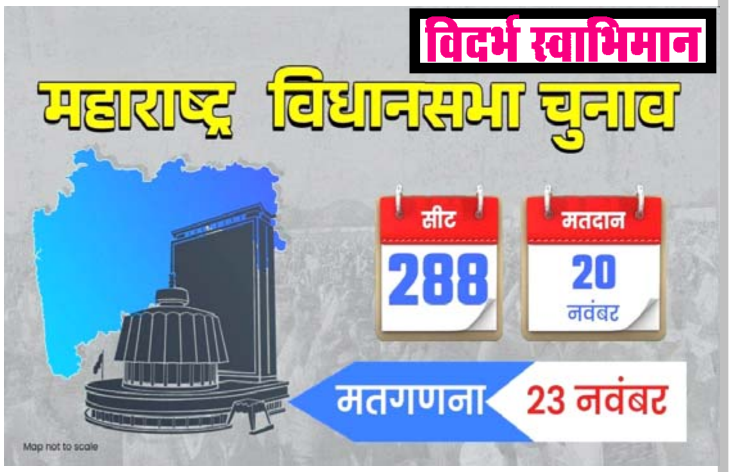

आघाड़ ने दबदबा बढ़ाया था. ऐसे में राज्य विधानसभा चुनाव में यह अपनी स्थिति कायम रख पाती है या नहीं, इसका पता 23 को विधानसभा चुनाव की मतगणना के बाद चलेगा.

महाराष्ट्र पश्चिम में अरब सागर से घिरा है, तो वहीं इसके उत्तर पश्चिम में गुजरात, उत्तर में मध्य प्रदेश, दक्षिण में कर्नाटक और पूर्व में छत्तीसगढ़ व तेलंगाना हैं. महाराष्ट्र का कुल क्षेत्रफल 3,07,713 वर्ग किमी है और जनसंख्या के लिहाज से यह देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है. 2001 की जनगणना के मुताबिक राज्य की कुल जनसंख्या 12,37,43,33 है. महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई है, जिसे देश की आर्थिक राजधानी भी कहा जाता है. राज्य में कुल 36 जिले हैं. गोदावरी, भीमा, परवारा और मुला यहां की मुख्य नदियां हैं. राज्य की साक्षरता दर 79.85 फीसदी है. विधानसभा सीटों की बात करें तो यहां कुल 288 विधानसभा सीटें हैं. मराठी, कोंकड़ी, हिंदी और अंग्रेजी यहां की मुख्य भाषा है.राज्य की लोकसभा सीटों में 1. नन्दरबार 2. धुले 3. जलगांव 4. रेवर 5. बुलधाना 6. अकोला 7. अमरावती 8. वर्धा 9. रामटेक 10. नागपुर 11. भंडारा-गोंडिया 12. गढ़चिरौली-चिमूर 13. चंद्रापुर 14. यवतमाल-वाशिम 15. हिंगोली 16. नांदेड 17. परभानी 18. जलना 19. औरंगाबाद 20. दिनदौरी 21. नासिक 22. पलघर 23. भिवंडी 24. कल्याण 25. थाणे 26. मुंबई उत्तर 27. मुंबई उत्तर-पश्चिम 28. मुंबई उत्तर पूर्व 29. मुंबई उत्तर-सेंट्रल 30. मुंबई दक्षिण-सेंट्रल 31. मुंबई दक्षिण 32. रायगढ़ 33. मावल 34. पुणे 35. बारामती 36. शिरूर 37. अहमदनगर 38. शिरडी 39. बीड़ 40. उसमानाबाद 41. लातूर 42. शोलापुर 43. मधा 44. सांगली 45. सतारा 46. रतनागिरी-सिंधुदर 47. कोल्हापुर 48. हथकंगले का समावेश है. विधानसभा की 288 सीटों पर चुनावी महासंग्राम हो रहा है.विधानसभा चुनाव परिणाम कई लोगों के साथ पार्टियों का भी भविष्य तय करने वाले हैं.

विदर्भ स्वाभिमान
यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

धामणगांव में प्रचार यात्रा में प्रताप अडसड का पलड़ा है,सभी सभाओं में उमड़ रही भारी भीड़

विकास कामों का इतिहास, क्षेत्र में व्यापक संपर्क,सभी के सुख-दुख के साथी अड़सड़ की खूबी

2400 करोड़ रूपए से अधिक का विकास बनेगा चुनाव में प्लस प्वाइंट

विदर्भ स्वाभिमान,13 नवंबर

धामणगांव रेलवे-शहर के विकास के साथ ही अभी तक विकास की गंगा बहाने वाले और 2400 करोड़ रूपए से अधिक का विकास काम जहां प्रताप अडसड की ताकत बनेगा, वहीं दूसरी ओर व्यापक संपर्क, सभी मतदाताओं के सुख-दुख के साथी के रूप में उन्हों ने जो प्रतिमा विधायक रहते हुए बनाई, उसका जीत के रूप में लाभ मिलने की चर्चा पूरे क्षेत्र में की जा रही है. यह तो मतदान और मतगणना के बाद पता चलेगा लेकिन फिलहाल उनका पलड़ा भारी दिखाई दे रहा है.

अपनी जीत को लिए आत्मविश्वास से जहां वे लबरेज

साक्षात्कार

हैं, वहीं लोगों से मिल रहे साथ और प्यार को ही अपनी असली पूंजी मानते हैं. उनके मुताबिक विदर्भ में विकास में धामणगांव रेलवे क्षेत्र को सदैव आगे रखने और यहां उद्योग के माध्यम से युवाओं के रोजगार, उच्च शिक्षा, किसानों की समस्या के निराकरण के साथ बिना किसी तरह का भेदभाव किए सभी को न्याय दिलाने का प्रयास करने की बात कही. उनके मुताबिक जनता का अपार प्यार उन्हें मिला है और इस चुनाव में भी मिलने और उनकी ही जीत का विश्वास जताया.

सभा,पदयात्रा में भीड़

उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनकी कॉर्नर सभाओंके साथ ही पदयात्राओं में उमड़ रही भीड़ ही उनके जीत का संकेत दे रही है. लोग उनकी जीत के लिए स्वयं का योगदान देने में प्रयासरत हैं. ऐसे में उनकी जीत की ही चर्चा की जा रही है. लेकिन प्रा. वीरेन्द्र जगताप भी चुनाव में पूरी ताकत झोंकने के साथ ही वंचित बहुजन आघाड़ी के एड. निलेश विश्वकर्मा को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है. लेकिन फिलहाल तो प्रचार में प्रताप अडसड़ बाजी मारने वाली स्थिति है. भाजपा के कई दिग्गज नेताओं ने उनका जहां प्रचार किया है, वहीं दूसरी ओर हर सभा में उमड़ने वाली भीड़ देखकर भी लोग कयास लगा रहे हैं कि इस विधानसभा क्षेत्र में फिर से एक बार उन्हे मौका मिल सकता है.

उनकी पदयात्रा के साथ ही उनकी सभाओं में भी लोगों का प्यार दिखता है. अपनी जीत को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त रहने वाले प्रताप अडसड़ का कहना है कि जीवन में उन्होंने पिता तथा पूर्व विधायक प्रताप अडसड़ के मार्गदर्शन में जनता की सेवा को सदैव महत्व दिया है. पार्टी नेताओं का मार्गदर्शन और राज्य के साथ ही केन्द्र से करोड़ों रूपए का अनुदान उन्होंने खींचकर लाया है.कभी किसी विवाद में नहीं रहने के साथ ही प्रताप अडसड़ की स्वच्छ और विकास को समर्पित नेता की प्रतिमा भी उनका प्लस प्वाइंट हो सकता है. विकास के मामले में स्पष्ट विजन रखने वाले प्रताप अड़सड़ के मुताबिक विदर्भ में विकास के मामले में क्षेत्र को सबसे आगे ले जाने की इच्छा रखते हैं. युवाओं, खेतिहर मजदूरों,किसानों,महिलाओं को न्याय के साथ ही सभी के विकास उनका उद्देश्य है. देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व महाशक्ति बनाने के लिए जुटे हैं, इसमें भाजपा का हाथ मजबूत करने और साथ देने का आग्रह उन्होंने किया. उनके मुताबिक यह चुनाव राष्ट्र की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. उन्होंने सभी से मतदान करते हुए सही लोगों को चुनने और विकास का मार्ग प्रशस्त करने की जरूरत जताई.इसके साथ ही मतदान सभी से करने और लोकतंत्र को मजबूत करने का आग्रह किया. विशेष रूप से नए मतदाताओं और युवाओं से मतदान के माध्यम से लोकतंत्र के यज्ञ में आहुति डालने का विनम्र आग्रह किया. उन्हें लोग व्यापक साथ दे रहे हैं.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

अहंकार होता है हमारा दुश्मन

जीवन में जिन लोगों को स्वयं की किसी कला, विद्वता,खूबियों का अहंकार होता है, वह कभी आत्मसंतुष्ट नहीं हो सकते हैं. लेकिन विद्वता में भी विनम्रता, बेहतरीन स्वभाव, सभी को समझने वाला भाव जिन लोगों में होता है, वह लोग कभी पीछे नहीं हटते हैं. विनम्रता, प्रेम, अपनेपन का कोई पर्याय दुनिया में नहीं हो सकता है. यह पद से ज्याद कद रखते हैं. ऐसे में कोशिश करें कि आप भी सदैव विनम्र रहें और सभी को सम्मान दें, फिर देखें आप सभी के लिए पक्का सम्माननीय बनें गे.

संवाददाता/मार्केटिंग एक्जकूटिव चाहिए

आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान को जिले में सर्वत्र संवाददाता तथा मार्केटिंग के लिए मेहनती और समर्पित युवक-युवती चाहिए. अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज

मंदिर के पीछे, अमरावती.

जीवन दर्शन की पीएचडी थे बाबूजी स्व. जमुनाप्रसादजी दुबे

१५ वीं पुण्यतिथि १६ नवंबर पर विशेष

उत्तर प्रदेश के पट्टी तहसील के दलापांडे का धौरहरा में जन्म लेने वाले और पूरे जीवन में सांसारिक संत की भूमिका में रहने वाले बाबूजी पं. जमुनाप्रसाद पारसनाथ दुबे जीवन दर्शन के पीएचड़ी कहना गलत नहीं होगा. सादगी, वित्तीय नियोजन, दिखावे से दूर रहने वाली उनकी सीख दुबे परिवार की प्रेरणा बनी है. जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु अटल है. लेकिन इस दौरान मिलने वाले समय में हमारे द्वारा किये गए काम, की गई नेकी, सभी के साथ की गई अच्छाई जैसी खूबियां ऐसी हैं, जो हमेशा फूल की तरह ही सुगंधित रहती है. मेरे स्वर्गीय बाबूजी पंडित जमुनाप्रसाद पारसनाथजी दुबे भी कुछ इसी तरह के विरले एवं महान व्यक्तित्व थे.बाबूजी को 15वीं पुण्यतिथि पर विनम्र आदरांजलि,चरणों में कोटि-कोटि नमन

दुनिया में आने वाले हर व्यक्ति को जाना पड़ता है. ऐसे में कुछ ही लोग ऐसे होते है.जिनके विचार आदर्श और प्रेरणादायी हो जाते हैं. ऐसे ही लोगों में पूज्यनीय पिताजी स्व.पंडित जमुनाप्रसाद पारसनाथजी दुबे थे. गरीबी,अभाव के साथ कई वर्षों तक जीवन बिताते रहे लेकिन नैतिकता, सच्चाई एवं ईमानदारी का दामन कभी नहीं छोड़ा. यही कारण थे कि वे आज आदर्श बन गए थे. सादगी की वे जहां प्रतिमूर्ति थे, वहीं दूसरी ओर उनका मानना था कि कर्ज लेकर शान शौकत कभी नहीं करनी चाहिए. जितनी चादर हो, उतना ही पैर पसारने के सिद्धांत पर वे जिंदगी भर चले. उनके मुताबिक खर्च आय देखकर ही करनी चाहिए. आज की दुनिया में स्पर्धा करने तथा जलने की प्रवृत्ति बढ़ी है लेकिन स्पर्धा सकारात्मक करने की प्रवृत्ति घटी है. यही कारण है कि जीवन में परेशानी तथा दुख बढ़े हैं. आज आमदनी अठन्नी, खर्चा रूपैया वाली मानसिकता ही कई समस्याओं की जड़ है. इसलिए हमेशा जीवन में आय और व्यय का हिसाब रखना चाहिए. बाबूजी बोलते ही नहीं बल्कि इसी सिद्धांत पर चलते थे.बाबूजी के ही आशिर्वाद का यह फल है कि गरीबी और अभावों से जूझने के बाद भी आज भी दुबे परिवार समाज के साथ ही शहर में अपने क्षेत्र में उच्च शिक्षा, आदर्श संस्कारों के लिए पहचाना जाता है.पिताजी कम बोलते थे. लेकिन कभी किसी का मन दुखे, ऐसी वाणी नहीं बोलते थे. भावुक व्यक्ति कभी विश्वासघाती नहीं हो सकता है,इसका प्रत्यक्ष उदाहरण लिया जा सकता है. भावुकता इतनी थी कि किसी के दर्द को सुनकर आंख से आंसू निकल आते थे. उनका कहना था धार्मिकता व्यक्ति को हर स्थिति से जूझने की ताकत देती है. इतना ही नहीं तो हमें यह याद रखना चाहिए कि हमारे द्वारा किए गए नेक काम ही मुसीबत के समय हमारी रक्षा करते हैं.

दुनिया की एक रीति है. यहां आने वाले को जाना ही पड़ता है. लेकिन बहुत कम ऐसे खुशनसीब होते हैं जिनका जीवन फूलों की सुगंध की तरह होता है. ऐसे ही लोगों में शामिल थे बाबूजी. जीवन के आखिरी दम तक कभी बेईमानी, किसी का मन दुखी करने का काम नहीं किया. बोले तैसा चाले की सिद्धांत पर चलने वाले लोगों की संख्या जहां आज कम हो रही है, वहीं दूसरी ओर बाबूजी ने जीवनभर सिद्धांतों पर जिया. वे आदर्श संस्कार, आदर्श परिवार के साथ ही आदर्श विचारों वाले प्रेरणादाई व्यक्तित्व थे. बाबूजी पढ़े भले ही कम थे लेकिन उनका अनुभवी ज्ञान मजबूत था. यही कारण है कि अभावों में रहने के बाद भी पांचों बच्चों को पढ़ाने-लिखाने से लेकर आदर्श संस्कारित, जिम्मेदार नागरिक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी. उनका कहना था कि शिक्षा का सदैव महत्व रहता है.

बाबूजी कर्मठता के मामले में सख्त थे. ब्रिजलाल बियाणी महाविद्यालय में सेवा के दौरान इसका अनुभव आता था. काम के प्रति समर्पण रखने वाला व्यक्ति कभी बिना काम के नहीं रहता है. जीवन में कर्मठता का क्या महत्व होता है, इसका अनुभव मैने स्वयं किया है. पूज्य बाबूजी की 16 नवंबर को 15 वीं पुण्यतिथि है. भगवान उनकी दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करें, प्रभु चरणों में यही कामना.आए हैं तो जाएंगे, राजा रंक फकीर, एक सिंहासन चढ़ी चले, एक बंधे जंजीर. अन्नाजी कुछ ऐसे ही व्यक्तित्व थे. जीवनभर सदैव मानवता, नेकी, सहकार क्षेत्र की गरिमा को बरकरार रखते हुए बच्चों को भी उच्च शिक्षा दिलाई. बहुमुखी व्यक्तित्व के रूप में रहने के बाद भी उनकी सादगी किसी को भी प्रभावित करने वाली थी. बाबूजी के आदर्श विचारों परचलते ही सदैव नेकी की राह पर चलने का संकल्प लेते हैं.

सुभाषचंद्र जे. दुबे, संपादक.

विदर्भ स्वाभिमान, जय माता दी मानस मंडल,समस्त दुबे परिवार, धौरहरा, अमरावती,हिंगोली.

अंजुल मिश्रा का मानवीय, सामाजिक कार्य पुण्यदायी है

कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र प्रतापसिंह ने कंबल वितरण समारोह में कहा, उमड़ा पूरा गांव, कई गांवों के प्रधान रहे उपस्थित

विदर्भ स्वाभिमान,प्रतिनिधि

दलापांडे का धौरहरा- मानवता की सेवा से बड़ी दूसरी सेवा नहीं हो सकती है. जितना संभव हो हमें भी मानवता की सेवा के काम को करने का प्रयास करना चाहिए. पुण्य का यह कार्य मिश्रा दम्पति द्वारा किया जा रहा है. इस आशय का प्रतिपादन उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय भाजपा नेता और कैबिनेट मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ मोतीसिंह ने किया. वे धौरहरा में प्रधान प्रतिनिधि इंद्रभूषण मिश्रा उर्फ अंजुल द्वारा आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम में किया. उनके मुताबिक उनके द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम की जितनी सराहना की जाए, कम है. समय के साथ आज बदलाव हो रहा है. पहले लोगों के घरों में धोती और अन्य कपड़ों से ठंड से बचाव के लिए कथरी बनाई जाती थी. लेकिन अब न कपड़ा बच रहा है और न ही यह बनाने वाली महिलाएं रही हैं. नई बहूएं भी पढ़ी-लिखी होने के कारण कथरी बनाने वाली संस्कृति भी खत्म हो गई है. ऐसे में ठंड से बचाव के लिए जरूरतमंदों को कंबल वितरित करने का प्रधान प्रतिनिधि का यह कार्य पुण्य का है. इस कार्य में उपस्थित विभिन्न नगर पंचायतों के अध्यक्ष, विभिन्न गांवों के सरपंचों के साथ मंत्री महोदय ने जहां पंडित श्यामशंकर मिश्र, राजाजी, अशोक जयस्वाल, शिवप्रसादजी, त्रिवेणीप्रसाद पांडे, भाजपा सहयोग अभिषेक पांडे, जयप्रकाश सिंह, राजेश पांडे, रमाशंकरजी, श्यामप्रसाद दुबे, उदयभानसिंहजी, शैलेश सिंह, ग्राम प्रधान विभा मिश्रा और प्रधान प्रतिनिधि इंद्रभूषण मिश्रा उर्फ अंजुल के साथ ही बड़ी संख्या में ग्रामवासी और विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित थे.अत्यंत आत्मीयपूर्ण इस कार्यक्रम में मंत्री राजेन्द्रप्रताप सिंह ने अपने मार्गदर्शन से सभी उपस्थितों का दिल जीत लिया. उनके हर शब्द को उपस्थित हजारों ग्रामवासी पूरी आत्मीयता से सुन रहे थे. इस मौके पर अंशुल के हाथों सैकड़ों जरूरतमंदों को कंबल का वितरण किया गया. उनकी इस पहल की सभी उपस्थितों के साथ ही पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है.माता-पिता के आदर्श विचारों और संस्कारों पर चलने वाले इंद्रभूषण मिश्रा द्वारा गांव में विकास के साथ ही सामाजिक उपक्रम भी लिया जाता है. कार्यक्रम में धौरहरा के अलावा तिवारीपट्टी, तिबीपुर सहित दर्जनभर से अधिक गांवों के जरूरतमंद और नागरिक उपस्थित थे. जबकि विशेष रूप से उपस्थितों में श्याम शंकर मिश्र,शिवप्रसाद पांडे,लवी शंकर मिश्रा,कुशू शंकर मिश्रा,अमित मिश्रा,उत्तम सिंह,अयोध्या यादव,अजय मौर्य,ब्रिजेश पांडे,सुनील दुबे,सर्वेश दुबे,अभिषेक पांडे सहित अन्य मान्यवर उपस्थित थे. मिश्रा परिवार गांव के विकास के साथ ही मानवता तथा पुण्य के कार्य में भी सदैव अग्रणी रहने की सराहना मंत्री राजेन्द्र प्रताप सिंह के साथ सभी उपस्थितों ने की.

जीवन में सदैव समभाव में रहने वाले सुखी होती है. जिसे न मान-सम्मान, न सुख-दुःख की चिंता रहती है और जो हर स्थिति को समभाव में लेते हैं, उनका जीवन सदैव खुशियों से भरा रहता है. ऐसे लोगों के जीवन में कभी कोई कमी नहीं रहती है. इसलिए जीवन में जो कुछ भी होता है, उसे प्रभु की कृपा और मर्जी मानते हुए स्वीकार करना चाहिए. जो लोग ऐसा कर पाने में सफल होते हैं, वह कभी भी उदास नहीं होते हैं. जीवन में सदैव नेक बनें और अच्छा करते रहें. फल प्रभु देते ही हैं. अच्छा हो तो प्रभु की कृपा और तकलीफ हो तो उसकी मर्जी मानते हुए खुश रखने वाला ही सुखी है.

विदर्भ स्वाभिमान

जरूरी नम्बर

टोल फ्री

विद्युत सेवा	1912
पुलिस सेवा	112
अग्नि सेवा	101
एम्बुलेंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सीएम सहायता लाइन	1076
क्राइम सहायता	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
राजापेठ थाना	2672010

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

सभी को साथ लेकर चलने में रखता हूं विश्वास

ज़ीवन में सदैव सभी को साथ दिया, अपने विचारों से नहीं किया समझौता, साथ देने की जरूरत

मानवता की सेवा को ही सदैव रहा है समर्पण

मैंने जीवन में सामाजिक कामों के उद्देश्य से राष्ट्रीय युवा स्वाभिमान पार्टी का गठन किया. कभी भी जाति,धर्म,पंथ की बजाय सर्वसमावेशक काम करने का प्रयास किया. यही कारण है कि सभी समाज तथा सभी वर्गों का साथ मिला. मैंने भी जबर्दस्त संघर्ष किया है. लेकिन कभी भी अपने विचारों से नहीं हटा. पत्नी भाजपा में जाने के बाद भी हम दोनों का जनसेवा का कार्य निष्पक्ष भाव से सदैव शुरू रहा है. जीवन में राष्ट्रधर्म को लेकर हम दोनों ही समर्पित हैं लेकिन जहां तक बात जाति,धर्म की आती है तो सभी मानव प्रभु के रूप में हैं. इसलिए विकास के साथ ही सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास करता हूं.

रवि राणा,विधायक

नवनीत राणा की हार मानते हैं बड़ी गलती

लोकसभा चुनाव में गलती होने की बात अमरावती जिले की जनता महसूस कर रही है. वह यह भी मानती है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी,अमित शाह के अलावा दिग्गज नेताओं के साथ करीबी के चलते उनका केन्द्रीय कैबिनेट में समावेश तय था. लेकिन एक गलती के कारण जिले को इस महत्वपूर्ण लाभ से वंचित होना पड़ा. सांसद के रूप में नवनीत राणा की सादगी, कहीं भी पहुंचने और समस्याएं हल करने के साथ ही प्रशासन पर भी पकड़ को लेकर आज भी लोग याद करते हैं. उनका कहना है कि जिस तरह से उन्होंने अपनी जिम्मेदारी निभाई, विकास की गंगा बहाई, वह अब कठिन हो गया है. रेलवे आरक्षण के लिए लेटर मिलने के लिए लोगों को घूमना पड़ता है. ऐसे में विधायक चुनाव में गलती नहीं होनी चाहिए.

अमरावती- जीवन में बोले तैसा चाले को सिद्धांत बनाने के साथ ही बिना किसी तरह का जातिभेद किए सभी के लिए सहजता से उपलब्ध रहने वाले, मदद करने के साथ ही प्रशासन के साथ विकास कामों में समन्वय कर अभी तक विकास का इतिहास रखने वाले और सभी जाति-धर्म,पंथ को साथ लेकर चलने वाले विधायक रवि राणा चौथी बार भी बडनेरा से इतिहास रचने की चर्चा लोगों में है. यही कारण है कि जिस तरह से उनकी सभाओं में भीड़ उमड़ रही है, उसके चलते विरोधियों में भी खलबली मच गई है. लोग खुले से कहते हैं कि जो लोग अपनों के नहीं होते हैं, वे किसी के नहीं होते हैं. उनकी सभाओं में समाज के सभी वर्गों की भीड़ उमड़ रही है.

बडनेरा में विधायकी की हैट्रिक का इतिहास रचने वाले रवि राणा सदैव सेक्यूलर और सर्वधर्म समभाव को महत्व देने वाले रहे हैं. पत्नी नवनीत राणा भाजपा में जाने के बाद भी उन्हों ने युवा स्वाभिमान पार्टी से ही चुनाव लड़ा है और लड़ रहे हैं. उन्होंने कभी भी किसी भी समाज के प्रति गलत बयानबाजी नहीं की. उन्हों ने राजनीतिक पारी की शुरूवात स्वयं का संगठन बना कर की. वह सभी समाज के लिए काम करते रहे हैं, चाहे किराणा वितरण हो, चाहे किसी मरीज की मदद हो, वे सभी के लिए तत्पर रहते हैं.

पिछले दिनों उनकी पत्नी नवनीत राणा भाजपा में गई, कुछ ऐसी होड़ लगी थी कि नेता स्वयं को समाज का रहनुमा बताने के लिए उलजलूल बयान दे रहे थे, उसी दौरान लोकसभा में नवनीत राणा के मुंह से एक विशेष समाज के खिलाफ अपशब्द निकल गए थे, हैरत मुझे भी हुई. क्यों कि रवि राणा ने अपने राजनीतिक जीवन में सभी को साथ लेकर काम किया, कोई सांप्रदायिक बात नहीं की. नवनीत राणा ने ऐसा क्यों कहा, इसकी विवशता तो वही जानती हों गी लेकिन उनके बयान का भारी खामियाजा उन्हें भुगतना पड़ा. लेकिन शहर के साथ जिले को भी उनके जैसे सक्षम नेतृत्व से वंचित रहकर उठाना पड़ रहा है.

नवनीत राणा में तेजी से शहर तथा जिले का विकास करने की क्षमता है.वे सांसद बनने पर जिले का तेजी से विकास होना भी उतना ही सही है लेकिन उनकी हार से अमरावती जिला भी दस साल पिछड़ने से कोई इंकार नहीं कर सकता है. उन्हें समाज ने सजा दी है लेकिन सर्वधर्म समभाव को जीवन मूल्य मानने वाले रवि राणा को सजा नहीं दी जानी चाहिए.

बडनेरा के कई मुस्लिम युवाओं के साथ के साथ ही वे यह कहते हैं कि मानव सेवा को समर्पित विधायक रवि राणा ने चाहे ईद हो, चाहे डॉ.बाबासाहब आंबेडकर जयंती हो, कभी भी भेदभाव नहीं करते हुए सभी को सहयोग करने की भूमिका रखी है. उनकी इसी भूमिका के कारण ऐसे आदर्श और सभी को साथ लेकर चलने वाले नेतृत्व का साथ नहीं देना स्वयं पर अन्याय करने और क्षेत्र के विकास में बाधा बनने जैसा होगा. वर्ना सभी को साथ लेकर चलने का भाव रखने वाले हतोत्साहित होंगे. रवि राणा अपनी विचारधारा और अपने संगठन में सभी को न्याय देने के सिद्धांत पर ही चल रहे हैं. मुझे उम्मीद है कि रवि राणा के साथ अन्याय नहीं होगा.

अगर गलती हुई तो एक और बेहतरीन नेतृत्व से बडनेरा वंचित हो जाएगा. लोग खुलेआम बोलते हैं कि नवनीत राणा की हार से जिला केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री पद से वंचित हो गया. वर्ना विकास का नया इतिहास वे रचने में समर्थ महिला नेतृत्व थीं . लेकिन अब पछताए का होत है, जब चिड़िया चुग गई खेत वाली स्थिति है. ऐसे में सभी लोगों ने राणा को जिताने का संकल्प लेने से उनकी चौथी बार जीत को निश्चित माना जा रहा है.

सभी का देते हैं सदैव साथ

विधायक रवि राणा की सभाओं में हर वर्ग की उमड़ने वाली भीड़ जहां उनके जीत का संकेत देती है, वहीं दूसरी ओर सभी जाति,धर्म के लोगों की नजरों में वे बेहतरीन युवा नेतृत्व हैं. यही कारण है कि लोग कहते हैं कि वे सभी के लिए दौड़ते हैं. पदयात्रा में उमड़ने वाली भीड़ के साथ ही उनके प्रचार के लिए हजारों लोगों ने स्वयं को झोंक दिया है. लोकसभा में की गई गलती किसी भी कीमत पर नहीं दोहराने का संकल्प लोगों द्वारा लिया जा रहा है. इससे उनका पलड़ा बडनेरा में भारी है.

इस साल ठंड भी दिखाई देगी तीव्रता, अगले सप्ताह से बढ़ेगी

अमरावती जिले में

अगले सप्ताह से तीव्र होगी ठंड, तापमान में तेजी से होगी गिरावट

चिखलदरा का तापमान तेजी से घटेगा

विदर्भ स्वाभिमान,13 नवंबर

अमरावती - ग्लोबल वार्मिंग का असर हर मौसम पर दिखाई दे रहा है. इस बार जमकर ठंड भी पड़ने वाली है. इस तरह के संकेत भारतीय मौसम विभाग ने दिया है. अगले सप्ताह से अमरावती सहित अन्य स्थानं पर ठंड की तीव्रता बढ़ने वाली है. इससे सतर्क रहने का आग्रह किया गया है.

भारतीय मौसम विभाग (क्ष्ग्न) के मुताबिक, सितंबर 2024 में ला नीना घटना की शुरुआत होने की संभावना है. इससे तापमान में गिरावट और बारिश में वृद्धि होगी. विश्‍व मौसम विज्ञान संगठन (ज़्ग्र) के मुताबिक, सितंबर-नवंबर 2024 में ला नीना का प्रभाव 55 प्रतिशत तक रहने की संभावना है. अक्टूबर 2024 से फ़रवरी 2025 तक यह संभावना बढ़कर 60 प्रतिशत हो जाएगी.ला नीना के कारण प्रशांत महासागर में समुद्र का तापमान ठंडा हो जाता है, जिससे वैश्विक जलवायु पर असर पड़ता है. ग्लोबल वार्मिंग की वजह से भी ठंड की तीव्रता और अवधि बढ़ने की उम्मीद है. ग्लोबल वार्मिंग तब होती है जब पृथ्वी के वायुमंडल में सामान्य से ज़्यादा गर्मी फंस जाती है.चिखलदरा का तापमान तेजी से नीचे गिर सकता है.

अमरावती जिले की जनता बनाए मतदान का रिकार्ड

विदर्भ स्वाभिमान,13 नवंबर

अमरावती- लोकतंत्र में हर मतदान का अपना महत्व होता है. एक वोट से अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार गिरी थी, ऐसे में सभी मतदाताओं को मतदान का महत्व समझते हुए अपने मतदान के माध्यम से राष्ट्रधर्म, मानवधर्म निभाने के साथ ही विकास का विजन रखने वाले उम्मीदवारों को अपना प्रतिनिधि चुनने और मतदान के मामले में अमरावती का रिकार्ड बनाने का आग्रह विदर्भ स्वाभिमान के संपादक सुभाष दुबे, जय मातादी मानस मंडल के संचालक

सत्यप्रकाश दुबे ने सभी मतदाताओं से किया है. जिलाधिकारी सौरभ कटियार तथा विभाग द्वारा इस दिशा में किए जाने वाले प्रयासों की सराहना करते हुए जनता से जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ मतदान करने का आग्रह किया. विधानसभा चुनाव में सभी सीटों परमतदान के माध्यम से सच्चे और अच्छे लोगों को अपना नुमाईंदा बनाने और राज्य को प्रगति में सबसे आगे ले जाने का आग्रह किया.

उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुडस्,जवाहर रोड के भीतर,अमरावती

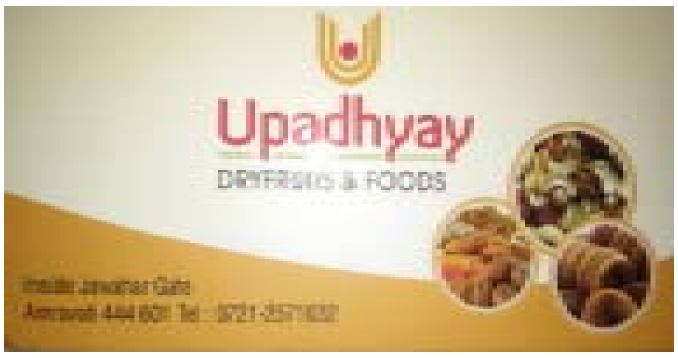

ज़वाहर रोड के भीतर,अमरावती.

गुरूवार 14 से 20 नवंबर 2024

मेष

इस राशि के लोगों के लिए यह सप्ताह बेहतरीन फलदायी रहने वाला है. आपका हर काम इस दौरान सफलता दिलाने वाला होगा. विवाद से बचना होगा. वाहन धीरे से चलाना ठीक रहेगा.

वृषभ

भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे. दूसरों की भावनाओं का सम्मान करेंगे.रिश्तों में चल रही गलतफहमी दूर होगी.नाहक किसी से विवाद से बचना श्रेयस्कर रहेगा.

मिथुन

थोड़ी सी मेहनत भी आपको कामयाबी दिला सकती है. रिश्तों में विवाद टाले. अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का पूरा फायदा मिलने वाला है.

कर्क

दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें . आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है.प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें. ठंड बढ़ने से स्वास्थ्य संबंधी समस्या पैदा हो सकती है. संबंधों पर विशेष ध्यान दें.

कुंभ

आपकी समझदारी से कई समस्याओं का समाधान होगा. यह समझने का प्रयास करें. समझदारी,विनम्रता से सभी काम बनते जाएंगे. नाहक तनाव लेने से बचें.अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन

इस सप्ताह छोटा सा प्रयास भी आपको सफलता दिलाने का काम कर सकता है. ऐसे में समझदारी से काम करना उचित है.वाहन धीरे से चलाएं, विवाद टालें.

ज़ीवन क्षणभंगुर है, नेक काम सदैव प्रदान करते अमरता

सुख-दुख होते हैं हमारे कर्मों का फल, अच्छा सोचने वालों का सदैव अच्छा होता-सुदर्शन गांग

विदर्भ स्वाभिमान, 13 नवंबर

अमरावती- ज़ीवन में प्रकृति हमें सदैव परोपकार तथा परमार्थ का पाठ पढ़ाती है. जिस तरह नदी अपना जल नहीं पीती है, आम का फल छांव के साथ फल धूप में खड़ा रहकर देता है, इसी तरह जिस दिन से हमारा मानव जीवन जीवदया, परमार्थ को हम समर्पित कर देते हैं, उसी दिन से जीवन की सार्थकता शुरू हो जाती है. हमारे द्वारा किए गए नेक काम ही हमारे क्षणभंगुर जीवन में भी सदैव हमें अमरता प्रदान करते हैं. किसी के लिए किया गया काम सदैव हमें याद रखता है. हम किसी के सुख में भले ही नहीं पहुंचे लेकिन किसी भी व्यक्ति के दुःख में जब हम पहुंचते हैं तो वह व्यक्ति जीवन में हमें कभी नहीं भूल पाता है. इस आशय का मत सुख्यात समाजसेवी, अभिनंदन बैंक के प्रबंधन बोर्ड के अध्यक्ष, भारतीय जैन संगठन के राष्ट्रीय ट्रस्टी सुदर्शन गांग ने किया. विदर्भ स्वाभिमान के साथ बातचीत करते हुए उन्होंने जिले में अधिकाधिक संख्या में मतदान के माध्यम से लोकतंत्र को मजबूत करने और अच्छे लोगों को चुनकर राज्य के विकास का मार्ग प्रशस्त करने का आग्रह किया. उनके मुताबिक वोट हम किसी को भी क्यों नहीं दें लेकिन मतदान का कर्तव्य सभी को निभाना चाहिए.

ज़ीवन में जो लोग औरों को खुशियां बांटते हैं, बिना किसी स्वार्थ के किसी की भी मदद को तत्पर रहते हैं, उनकी चिंता प्रभु करते हैं. इसलिए जितना संभव हो सके, अच्छी सोच के साथ अच्छा करते रहना चाहिए. किसी नेक काम में लगा एक रूपये भी अपने साथ दस रूपए लाता है. इसलिए मानवता की सेवा, जीवों पर दया का भाव रखते हुए सदैव काम करना चाहिए. जिस प्रकृति ने हमें भरपूर दिया है, आक्सीजन के रूप में सांसें दी हैं, उसकी चिंता भी करनी चाहिए, इस आशय का मत सुख्यात समाजसेवी सुदर्शन गांग ने व्यक्त किया. उनके मुताबिक व्यक्ति अगर किसी को कुछ नहीं दे सके तो कम से कम शब्दों से उसे खुशियां दे सकता है. उनका कहना है कि प्रभु ने भी मानव अवतार में कर्म किया. उन्होंने भी सुख-दुख झेले हैं लेकिन इसके बाद भी समरसता का संदेश दिया. जीवन में सुख और दुःख भी हमारे कर्म से जुड़े रहते हैं. प्रभु जिस तरह भी रखें, उसमें ही खुश रहने का प्रयास करना चाहिए.

शास्त्र कहते हैं कि मेहनत, ईमानदारी से की गई कमाई सदैव बरकत देती है. इसलिए धन का उपयोग अगर इन्सानियत के लिए, पीड़ित की सेवा के लिए किया जाता है तो इससे मां लक्ष्मी को भी प्रसन्नता होती है.उनके मुताबिक मानवता की सेवा में लगे व्यक्ति को अपार सुकून मिलता है. जरूरी नहीं है कि धन के रूप में ही सेवा दी जाए, किसी प्यासे को पानी पिलाना, किसी गरीब बच्चों को आर्थिक आधार देते हुए उसकी शिक्षा में योगदान देना,बुजुर्ग की मदद भी भी पुण्य का काम है. पशु-पक्षियों के लिए प्याऊ लगाकर भी हम पुण्य कमा सकते हैं. क्यों कि मूक जानवर अपने दर्द बता नहीं सकते हैं. लेकिन मानव ही ऐसा व्यक्ति है, जो सभी की भावनाओं को समझ सकता है.

साक्षात्कार

औरों के लिए जीने वाला होता है अमर

जीवन में अथक मेहनत, लगन, ईमानदारी और काम के प्रति समर्पण ही कामयाबी का सूत्र होता है. जीवन में जो लोग इसे स्वीकार कर लेते हैं, उन्हें कभी किसी बात की कमी नहीं होती है. लेकिन जो लोग काम को छोटा समझते हैं. जीवन में सफलता के लिए दिक्कत होती है. हर काम काम होता है. ऐसे में सदैव कोशिश करें कि हमसे जितना बन सकता है मेहनत करने के साथ ही सामाजिक और राष्ट्रधर्म को निभाते हुए स्वयं भी आगे बढ़ें और साथ में जुड़े रहने वालों को भी आगे बढ़ाने में सहयोग का प्रयास करें.

पूरे देश में मानवता को लेकर लोगों में उत्सुकता आ रही है.युवाओं में आज विभिन्न संगठनों के माध्यम से मानवता की सेवा का प्रयास करना निश्चित ही खुशी और गर्व की बात है. दीपावली तथा जन्मदिन जैसे मौकों पर गरीबों, आदिवासियों की मदद के लिए जिस तरह से विभिन्न संगठन आगे आ रहे हैं, वह निश्चित ही काबिले तारीफ है. दीपावली पर पटाखे देने से लेकर लोगों के घरों में लड्डू पहुंचाने का कार्य ही असली मायने में भारतीय संस्कृति है. विश्व बंधुत्व की भावना समूचे विश्व में फैलाने का काम भारतीय संस्कृति ने ही किया है. अमीर-गरीब सभी अपनी क्षमता के मुताबिक खुशियां मनाने का प्रयास करते हैं. उनके मुताबिक हमारी क्षमता के मुताबिक जब हम सामाजिक दायित्व निभाने का प्रयास करते हैं तो मान-सम्मान के साथ ही सभी के दिल में सम्मान बनाने में भी कामयाब हो जाते हैं. उनके मुताबिक पशु-पक्षियों की सेवा के साथ ही उनके लिए हमारे घर की छत पर चावल तथा पानी की व्यवस्था करके भी हम खुशियां प्राप्त कर सकते हैं. इसलिए जितना संभव है उतना मानवता और पशु-जीव कल्याण की दिशा में हर व्यक्ति को योगदान देने की सलाह वे देते हैं. वे जीवन में केवल सलाह ही नहीं देते हैं बल्कि दिव्यांगों की मदद, गरीबों को खुशियां बांटने के साथ ही अन्य कामों में स्वयं भी बढ़-चढ़कर योगदान देते हैं.मानवता की सेवा से बड़ी दूसरी सेवा नहीं हो सकती है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन

राजपुरोहित स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क्री विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

हर गुरूवार नियमित पढ़िये विदर्भ स्वाभिमान

घर का सपना आपका, पूरा करने में योगदान करते हैं हम

थोक की दर में निर्माण साहित्य का विश्वसनीय स्थान

पूज्य बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन में जब हम किसी की खुशियों का माध्यम बनते हैं, किसी को सम्मान देते हैं तो निश्चित तौर पर वही सम्मान,वही अपनापन लौटकर आता है. कुछ लोग इसके अपवाद हो सकते हैं. लेकिन अधिकांश लोग प्रेम,आत्मीयता और सम्मान को सदैव महत्व देते हैं. जीवन रुपी गाड़ी में हम सभी सवार हैं. इस गाड़ी के चालक स्वयं प्रभु हैं, वह कहां उतार दें, इसका भरोसा नहीं है. ऐसे में जीवन में सच्चे मन से सदैव अच्छा करने का प्रयास करने वाले का कभी बुरा प्रभु नहीं होने देते हैं. श्रद्धा और विश्वास से बड़ी ताकत नहीं हो सकती है. सदैव समझदारी से प्रेम बरसाते रहें, सदैव खुशियां आपके पास रहेंगी.

विदर्भ स्वाभिमान

❖ अमरावती, गुरूवार 3 से 9 अक्तूबर 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 15 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षो से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे. इस मानवीयता के नेक काम में आप विज्ञापन के माध्यम से हमें सहयोग देकर इस कड़ी को बढ़ाने का प्रयास करें.

पद, प्रतिष्ठा न कभी किसी के साथ हमेशा रही है न रहती है. लेकिन जिन लोगों ने पद और प्रतिष्ठा का उपयोग समाजहित में किया रहता है, वे बिना पद के भी सम्मानित रहते हैं. मरने के बाद भी नहीं मरने वाले लोगों में उनका नाम रहता है. इसलिए सदैव अच्छी सोचते हुए अच्छा करना चाहिए.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com